Sem 1 (MJC)

Q Walther Penk का सामान्य अपरदन चक्र :—

→ वाल्थर पेंक जर्मनी के प्रसिद्ध भू-आकृतिविज्ञानी थे। इन्होंने स्थलाकृतियों के विकास को समझाने के लिए Normal Cycle of Erosion का सिद्धांत दिया। यह सिद्धांत William Morris Davis के अपरदन चक्र सिद्धांत से अलग है।

(1) पेंक के सिद्धांत की मुख्य अवधारणा :-

→ पेंक के अनुसार स्थलाकृतियों का विकास केवल समय पर निर्भर नहीं करता बल्कि मुख्य रूप से उत्थान और अपरदन की दर पर निर्भर करता है।

→ उन्होंने बताया कि :-

(i) यदि उत्थान तेज होगा → ढाल तीव्र होगी
(ii) यदि उत्थान रुक जाए → ढाल धीरे-धीरे कम होती जाएगी
(iii) यदि उत्थान धीमा होगा → ढाल मंद होगी

→ अर्थात स्थलरूपों का विकास निरंतर प्रक्रिया है न कि चरणबद्ध जैसा डेविस ने बताया।

(2) पेंक के अनुसार ढाल विकास :

→ पेंक ने ढाल के विकास पर विशेष बल दिया। उन्होंने तीन प्रकार की ढाल बताई :

(i) उर्ध्ववर्धित ढाल → जब उत्थान की दर बढ़ती है ढाल अधिक तीव्र होती जाती है।

vivo Y02
Feb 23, 2026, 12:51

(ii) समान ढाल → जब उत्थान और अपरदन की दर बराबर होती है, ढाल स्थिर रहती है।

(iii) अवतल ढाल → जब उत्थान रुक जाता है या कम हो जाता है, ढाल धीरे-धीरे कम हो जाती है।

(3) पेंक का Primarrumpf :-
जब उत्थान बहुत धीमा होता है और अपरदन लगातार कार्य करता है, तब एक समतल सतह बनती है, जिसे पेंक ने Primarrumpf कहा।
→ यह डेविस के Peneplain से अलग अवधारणा है।

(4) पेंक और डेविस में अंतर :-
* आधार
→ पेंक
→ डेविस
* विकास का आधार
→ उत्थान व अपरदन की दर
→ समय के चरण
* प्रक्रिया
→ निरंतर
→ क्रमिक चरणों में
* ढाल विकास
→ मुख्य महत्व
→ कम महत्व

vivo Y02
Feb 23, 2026, 12:52

* अंतिम अवस्था

→ Primarrumpf
→ Peneplain

* निष्कर्ष :-

पेंक का सामान्य अपरदन चक्र यह बताता है कि स्थलाकृतियों का विकास उत्थान और अपरदन की दरों के संतुलन पर निर्भर करता है। उनका सिद्धांत अधिक वैज्ञानिक माना जाता है, क्योंकि इसमें भू-गर्भीय गतिविधियों को अधिक महत्व दिया गया है।

vivo Y02
Feb 23, 2026, 12:52